प्रेस विज्ञप्ति

गोरखपुर, 04 दिसम्बर। प्रो0 यू0पी0सिंह, पूर्व कुलपति पूर्वांचल विश्वविद्यालय बने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष तथा वरिष्ठ अधिवक्ता श्री धर्मेन्द्रनाथ वर्मा को उपाध्यक्ष बनाया गया। श्रीगोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की आवश्यक बैठक सम्पन्न हुई। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर के अध्यक्ष डॉ0 भोलेन्द्र सिंह जी के आकस्मिक निधन पर शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में उनके सेवा की सराहना करते हुए उन्हे विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के प्रति उनका लगाव और उनके योगदान की मुक्तकंठ से प्रशंसा हुई।

इस अवसर पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष, पूर्व कुलपति प्रो0 यू0पी0सिंह जी को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का अध्यक्ष तथा वरिष्ठ अधिवक्ता श्री धर्मेन्द्रनाथ वर्मा जी को उपाध्यक्ष तथा योगी कमलनाथ को संयुक्त मंत्री सर्वसम्मति से बनाया गया। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष बनने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रो0 यू0पी0सिंह जी को बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि प्रो0यू0पी0सिंह जी के नेतृत्व में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर अपने संस्थापकों के भावनाओं के अनुरूप शैक्षिक जागरूकता के साथ-साथ समाजसेवा के नये प्रतीयमान स्थापित करेगा। योगी जी ने श्री धर्मेन्द्रनाथ वर्मा तथा योगी कमलनाथ जी को भी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का उपाध्यक्ष एवं संयुक्त मंत्री बनने पर बधाई दी। प्रो0यू0पी0सिंह जी ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद से जुड़े हुए सभी सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए सबके सहयोग से शिक्षा परिषद् को नई ऊचाईयों पर पहुँचाने का आश्वस्त किया। बैठक में योगी आदित्यनाथ जी, प्रो0 यू0पी0सिंह, श्री धर्मेन्द्रनाथ वर्मा, श्री प्रमोद कुमार चैधरी, श्री राजेश मोहन सरकार, श्री गोरक्ष प्रताप सिंह, श्री प्रमथनाथ मिश्र, श्री धर्मेन्द्र सिंह, श्री तेज प्रताप शाही, योगी कमलनाथ, योगी मिथलेशनाथ, श्री राम जन्म सिंह, श्री रेवती रमणदास अग्रवाल, प्रो0 हरिजी सिंह, श्री पुष्पदन्त जैन, श्री हरि प्रकाश मिश्रा, श्री प्रताप नारायण सिंह, श्री विजय प्रताप सिंह, श्री द्वारिका तिवारी उपस्थित रहें।